Nai Dunia (Indore), 11th March 2021, Page-5

विद्यार्थियों ने जाने विज्ञान के रहस्य

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और राज्य शिक्षा विभाग द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत राष्ट्रीय आविष्कार अभियान चलाया जा रहा है। इसकी शुरुआत आइआइटी ने 13 जनवरी से की थी। इसमें कक्षा छठवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों को विज्ञान से संबंधित शिक्षण कौशल के पाठ पढ़ाए जा रहे हैं। इसके तहत बुधवार को आनलाइन माध्यम से अनेक रोचक विषयों पर नौ सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें रोशनी का सरल उपयोग, वायु प्रदूषण, सौर प्रणाली, खाद्य घटक, ब्रह्मांडीय तरीके से गणित और ध्वनि तरंगे जैसे विषयों का अध्ययन कराया गया। इन सत्रों को देशभर के 60 हजार विद्यार्थियों और शिक्षकों ने देखा।

आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने कहा कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता दर्शकों की विज्ञान के प्रति रुचि को दर्शाता है। ऐसे कार्यक्रम से न केवल छिपी हुई प्रतिभाओं को खोजने का मौका मिलता है बल्कि शिक्षा प्रणाली में भी सुधार करने का मौका मिलता है। इससे शिक्षकों को भी लाभ होता है। अभियान के तहत हर बुधवार को कार्यक्रम आनलाइन किया जा रहा है। लोकप्रियता को देखते हुए कार्यक्रम को कुछ समय और जारी रखने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम का आयोजन आइआइटी इंदौर के संकाय सदस्य डा. नीरज कुमार शुक्ला, डा. आशीष कुमार और डा. मृगेंद्र दुबे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।